

भालू ने मवेशियों को बनाया निवाला

रुद्रप्रयाग। विधायक रुद्रप्रयाग के गृह क्षेत्र में भालू का आतंक बना हुआ है। गौशाला का दरवाजा फाड़कर भालू मवेशियों को निवाला बनाया जा रहा है।

[illegible]

एक नजर

[illegible]

कर्म के जगता। इस कारण गरीबों को न्यायप्रिय मुश्किल हो जाता है। पास हो चुकत है उसने इस अर्थशास्त्र को कर्म के स्तर छोड़ने में भी पेशेवानी नही करता। स्थानीय लोगों ने न्यायिया पक्ष को लुप्त कर दिया। अतः न्याय प्रिय गरीबों को न्याय प्रिय और सुधी और अधिक बूढ़ बूढ़ हो जाते हैं। उन्होंने अस्थायी और स्थायी कर्म के मतभेद के साथ-साथ उच्च बाढ़ें को तलवाह करने को मांग की है। न्याय प्रिय पक्षिका अस्थायी मोहन स्थान पर न्याय प्रिय स्थान में स्थिर का स्थानीय बने के कारण अस्थायी कार्य को न्याय प्रिय हो जा रहा है। सफाईकर्मी कार्य प्रिय को चलेते नालों को सफाई करने के लिए रहते हैं। उन्होंने कहा

गामीण बैंक ने लगाया शिविर

ई-केवाईसी, पेंशन वितरण और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी

शाह टाइम्स संवाददाता
नई दिल्ली। भिखाना व्यक्ति को
पंचायत धरती नैलमानी में उत्तरा
ग्रामीण बैंक की ओढ़ाधार शा
प्राप्त वृद्ध, विधवा और विकल
देशन विवरण कार्यक्रम
साथ-साथ ई-कॉन्सोर्टी और वि
सहायता शिष्टि का आयोजन वि
गुणा। मुखरा को इस शिष्टि
सुधार में बैंक शाखा प्रबंधक भु
वेंद्र जोशी और ग्राम प्रभान वि
सिंह विष्ट ने संयुक्त रूप से उ
पस्थित। प्रबंधक जोशी ने उद्दि
ष्टांगियों को संबोधित करते
ग्रामीण की प्रत्येक बैंक शाखा
कॉन्सोर्टी प्रक्रिया हर स्तर पर
पूरी धरती की जानी आवश्यक
उद्देशों कहा कि बैंक का उद्देश

[illegible]

को। भैयादूज के दिन जो भाई अपनी बहन के घर जाकर भोजन करता है वह दीघायु होता है। भैयादूज को यम द्वितीय के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इस दिन यमुना नदी के किनारे टीका करने वाले भाइयों और उनकी बहनों को यम यातनाओं से मुक्ति मिलती है।

कंपनी में लाखों की चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र में दिवाली की छुट्टियों का फायदा उठाकर चोरों ने एक फार्मास्यूटिकल कंपनी में सैधमारी कर चोरी करने वाले दो आरोपियों पुलिस ने चोरी के माल के साथ 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है। चोरी का माल की कीमत लगभग 5 लाख थी।

जानकारी के अनुसार सिडकुल थानाअध्यक्ष नितेश शर्मा ने बताया कि मंगलवार को चोरों ने कंपनी का ताला तोड़कर अल्युमिनियम डाई, अल्युमिनियम गाइड, वायर मोटर, पीतल का फीडर डाई पंच और अन्य सामान चोरी कर लिया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया था। आरोपियों को पकड़ने के लिए उपनिरीक्षक अनिल बिष्ट के नेतृत्व

में एक टीम का गठन किया गया गठित टीम द्वारा घटना स्थल पर सीसीटीवी कैमरे चौक करते हुए मुखाबिर मामूर किए गए। गुवर्नरवार को आईएमसी चौक के पास दो आरोपी आसिफ पुत्र रईसुदीन (27, आगरा) और फैजान पुत्र इनाम अली फिरोजबाद को चोरी के माल से लदा ई- रिक्शा सहित दबोच लिया। पुलिस पुछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने शाहरुख पुत्र आलीशान अंसारी के साथ मिलकर कंपनी से सामान चोरी किया और कुछ माल झाड़ियों में छुपाया था। थाना अध्यक्ष नितेश शर्मा ने बताया कि

फरार शाहरुख और चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी राजकुमार को

न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस टीम में



तलाश कर की जा रही है। कबाड़ी के गोदाम को सीज करने की तैयारी की जा रही है।दोनों आरोपियों को

एसआई अनिल बिष्ट, हेडकांस्टेबल देसराज, कांस्टेबल प्रदीप, राजेश कुमार व गजेंद्र शामिल रहे।

स्टंटबाजी और पटाखे जैसी आवाज निकालना युवक को पड़ा भारी, बुलेट सीज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सड़क पर स्टंटबाजी और पटाखों जैसी तेज आवाज निकालकर लोगों को परेशान करना एक युवक को मंहंगा पड़ गया। ज्वालापुर क्षेत्र में बुलेट मोटरसाइकिल से लगातार धमाके जैसी ध्वनि निकाल रहा युवक पुलिस के हथ्थे चढ़ गया। पुलिस ने मोटरसाइकिल को सीज कर कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार तुषार पुत्र बुजेश निवासी विवेक विहार बाइक पर खतरनाक तरीके से स्टंट कर साइलेंसर से तेज धमाके जैसी आवाज निकाल रहा था, जिससे स्थानीय लोगों में भय और रोष का माहौल बन गया था। शिकायत मिलने पर ज्वालापुर पुलिस ने मौके पर पहुँचकर बाइक संख्या UK08 AG 0360 को सीज कर लिया। बरिष्ठ उप निरीक्षक खमेन्द्र



गंगवार ने बताया कि "सार्वजनिक स्थानों पर स्टंट, हड़दंग तेज आवाज वाले साइलेंसर से आमजन की शांति भंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सड़कों स्टंट के लिए नहीं हैं। ऐसे मामलों में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।।

स्थानीय लोगों ने की ज्वालापुर अंबेडकर चौक से मंडी के कुएं तक सड़क निर्माण की मांग तेज, गड्ढों से बढ़ रही दुर्घटनाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उपनगरी ज्वालापुर के अंबेडकर चौक से मंडी के कुएं तक की सड़क की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। यह सड़क जगह-जगह से गड्ढों और नुक़ीले पथरों में तब्दील हो गई है, जिससे स्थानीय लोगों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क मोहल्ला कडच्छ, मैदानयान, मंडी का कुआँ, सिराज धर्मशाला और गांधी मार्केट से होकर मुख्य बाजार तक जाती है। पूर्व में सांसद सतपाल ब्रह्मचारी द्वारा इस सड़क निर्माण कराया गया था, लेकिन अब इसकी हालत दयनीय हो चुकी है। स्थानीय निवासी रमेश, विपिन, जय भगवान, गुलशन



और पालीवाल सहित कई लोगों का कहना है कि सड़क की मरम्मत की चर्चाएं तो हो रही हैं, लेकिन काम अभी तक धरातल पर शुरू नहीं हुआ है। गड्ढों और नुक़ीले पथरों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। वाहन फिसलने और

बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

रानीपुर कोतवाली प्रभारी शांति

कुमार ने बताया कि के पुलिस टीम ने आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की गतिविधियों का पता लगाया। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गैस प्लांट क्षेत्र से राजकुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुछताछ में आरोपी ने वारदात स्वीकार करते हुए बताया कि वह सिडकुल स्थित एक कंपनी में काम करता है और रामधाम कॉलोनी में किराये पर रह रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया

गया। पुलिस पुछताछ में आरोपी ने अपना नाम राजकुमार पुत्र संतराम निवासी नयागांव थाना सोरपुर जिला



बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल किराएदार गुप्ता जी का मकान रामधाम कालोनी रानीपुर हरिद्वार बताया है। पुलिस टीम में शांति कुमार, उप निरीक्षक पूजा पांडे, कां. अर्जुन रावत शामिल रहे हैं।

भैयादूज पर्व के चलते ट्रेनों व बसों में रही भीड़

काशीपुर। भैयादूज के मौके पर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई। भीड़ को देखते हुए आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों ने स्टेशन पर यात्रियों के सामान को जांचा। इसके साथ ही उनसे सतर्क रहने की अपील की गई। भैयादूज का त्योहार के चलते रेलवे स्टेशन पर सुबह से लेकर शाम तक यात्रियों की भारी भीड़ रही। जीआरपी की थाना प्रभारी तरन्नुम मलिक ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या बढ़ी है। इस वजह से यात्रियों को जागरूक करते हुए उनके सामान की तलाशी ली गई। यात्रियों को अपने साथ ज्वलनशील वस्तु नहीं ले जाने को कहा जा रहा है। भैयादूज पर्व के लिए बसों और ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ दिखाई दी है। काशीपुर से मुरादाबाद, लालकुआँ, बरेली जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक रही। इसके चलते रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी ने चेकिंग अभियान चलाया।

शराब की तस्करी करते 4 दबोचे अवैध देशी व अंग्रेजी शराब बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अवैध शराब कारोबार पर नक़ल कस्ते हुए पुलिस ने सिडकुल और ज्वालापुर क्षेत्र में छापेमारी कर 4 आरोपियों को चोरी-छिपे शराब बेचने की फ़िराक गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 150 देशी व अंग्रेजी शराब बरामद करी है। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मुकदमों दर्ज कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।सिडकुल थानाअध्यक्ष नितेश शर्मा ने बताया कि दो आरोपियों के पास से 98 पैकेट देशी शराब के किन्नु व माल्टा मार्का बरामद किए हैं। अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया। पुलिस पुछताछ में आरोपीयो ने अपना नाम आदेश पुत्र धर्म सिंह, निवासी टोन मार्केट, रावली महदूद कालीचरण, पुत्र गेंदालाल, मूल निवासी

काशीरामनगर (यूपी), हाल निवासी रोशनबाद बताया है। पुलिस टीम में हे.कां. संजय तोमर, कां. कुमार शामिल रहे हैं।

वहीं, दूसरी और ज्वालापुर पुलिस ने 26 पब्ले रायल स्टेग, 26 पब्ले 8 पीएम अंग्रेजी शराब व 52 पब्ले देशी शराब के साथ शिव प्रसाद देवी अनिकेत को दबोच लिया। दोनों अपने-अपने ठिकानों से अवैध शराब बेच रहे थे ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि पुलिस पुछताछ में आरोपीयो ने अपना नाम शिव प्रसाद पुत्र बच्चो राम, निवासी खन्ना नगर, अनिकेत पुत्र सुशील कुमार, निवासी मोहल्ला कडच्छ बताया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस टीम में कां. प्रवीन नेगी, बलवंत राणा, सुशील दत्त शर्मा, अर्जुन चौहान शामिल रहे हैं।

बाबा दीपसिंह इनफोटेक ने लांच किए दो नए ऐप

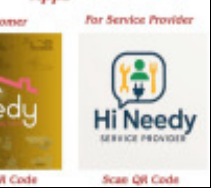
शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार की आईटी कंपनी बाबा दीपसिंह इनफोटेक ने दो नए मोबाइल ऐप्स हि निडी और हि निडी प्रोबाइडर लॉन्च किए हैं। इनका मुख्य मकसद ग्राहकों और स्थानीय सर्विस प्रोवाइडर्स को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोड़ना है। ग्राहकों के लिए है हि निडी ऐप-अगर आप सेलून, प्लंबर, एसी रिपेयर, रेस्टोरेंट, जिम सेंटर, पेंटर, बेकरी, कॉफ़िंग इस्टिमुट, प्रॉपर्टी डीलर, पैकर्स एंड मूवर्स, या किसी भी लोकल सर्विस की तलाश में हैं, तो इस ऐप से आपकी तलाश आसानी से पूरी हो सकती है। नियरबाय सर्विस कोचर के जरिए ग्राहक जबरन की सर्विस तुरंत बुक कर सकते हैं। यह ऐप ग्राहकों की रोज़मर्रा की जरूरतों को आसान और तेज बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हि निडी सर्विस प्रोवाइडर्स एप सर्विस प्रोवाइडर के लिए लांच किया गया है। छोटे व्यापारी, रूकानदार और

प्रोफ़ेशनल प्रोफ़ेशनल्स इस ऐप के जरिए अपने काम को ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर प्रमोट कर सकते हैं। 99 रूपए से शुरू होने वाले फ़ियायती सर्व्सक़िशन प्लान के साथ, सर्विस प्रोवाइडर्स अपनी प्रोफ़ाइल बनाकर हजारों संभावित ग्राहकों तक पहुँच सकते हैं। ऐप पर रजिस्ट्रेशन करना भी आसान है। अपने मोबाइल पर ऐप डाउनलोड करें, ईमेल या फ़ोन से लॉगिन करें, अपनी सर्विस डिटेल्स और लोकेशन भरें, और क्यू आर कोड स्कैन कर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। बाबा दीपसिंह इनफोटेक का कहना है कि ये ऐप्स न केवल

ग्राहकों को भरोसेमंद सेवाएं देंगे, बल्कि छोटे व्यापारियों को डिजिटल



प्लेटफ़ॉर्म पर लाने के साथ रोज़गार के नए अवसर भी प्रदान करेंगे। यह कदम डिजिटल इंडिया के विजन को बढ़ावा देने के साथ हरिद्वार के लोकल बिजनेस और युवाओं के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है। कंपनी का कार्यालय ज्वालापुर के आनंदनगर में है। इच्छुक व्यक्ति कंपनी के कार्यालय से संपर्क अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। किशोरी से दुष्कर्म करने के मामले में श्यामपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज होते ही पुलिस ने आरोपी की तलाश में दबिश शुरू कर दी थी। जानकारी के अनुसार गुवर्नरवार को पीड़िता के पिता ने थाने में तहरीर देकर बताया कि मनोज उर्फ तेजु ने उनकी 17 वर्षीय पुत्री का शारीरिक शोषण किया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई और आरोपी की लोकेशन एवं गतिविधियों का पता लगाना शुरू किया। पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए

बुधवार को ग्राम मिट्टीबेरी लालढांग क्षेत्र में दबिश कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पुछताछ में आरोपी ने अपना नाम मनोज उर्फ तेजु पुत्र



रामअवतार, निवासी ग्राम मिट्टीबेरी लालढांग, थाना श्यामपुर हरिद्वार।पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेशकर जेल भेज दिया है। पुलिस टीम में उप निरीक्षक गगन मैदानी, महिला उप निरीक्षक अंजना चौहान, कां. सिद्धार्थ कुमार शामिल रहे।

भोजपुरी समाज कल्याण समिति ने की छठ पूजा पर अवकाश घोषित करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भोजपुरी समाज कल्याण समिति ने सरकार से छठ पूजा पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की है। भेल सेक्टर-4 स्थित सामुदायिक केंद्र में आयोजित भोजपुरी समाज कल्याण समिति की बैठक को संबोधित करते हुए समिति के संरक्षक पूर्व एमएलसी रामयश सिंह ने कहा कि 27 अक्तूबर को छठ पूजा का पर्व है। सूर्य आराधना का पर्व छठ पूजा पूर्वांचल समाज का प्रमुख पर्व है। जिसे सभी धूमधाम से मनाया जाता है। हरिद्वार और उत्तराखंड में लाखों की संख्या में पूर्वांचली समाज के

लोग निवास करते हैं। रामयश सिंह ने कहा कि अन्य राज्यों की



भाति छठ पूजा पर उत्तराखंड में भी सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए। ताकि हरिद्वार और



पूजा को धूमधाम से मना सकें। समिति के महामंत्री मनोज मांझा ने भी बैठक को संबोधित किया।

श्री अखंड परशुराम अखाड़े ने किया गौवर्धन पूजा का आयोजन

कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और आदर्श रखें : पं. अधीर कौशिक

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक के आर्य नगर स्थित आवास पर गौवर्धन पूजा का आयोजन पूर्ण विधि-विधान और हेल्लोसास के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर नगर विधायक मदन कौशिक भी शामिल हुए। पंडित अधीर कौशिक, महंत रामरतन गिरी, पंडित पवन कृष्ण शास्त्री ने विधायक मदन कौशिक को पटका और फरसा भेंट कर सम्मानित किया।

विधायक मदन कौशिक ने कहा गौवर्धन पर्व हमें साहस और धैर्य के साथ निर्णय लेने की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर यह संदेश दिया कि जीवन में अपने वाली कठिनाइयों का सामना धैर्य और बल से करना चाहिए। यह



पर्व हमारी हिंदू संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है। पंडित अधीर कौशिक ने बताया कि गौवर्धन पूजा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण को स्वरूप को परंपरागत तरीके से सजया गया

और पूजा अर्चना की गई। उन्होंने

कहा भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बल और शक्ति से दुनिया को यह दिखाया कि कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और आदर्शों को बनाए रखना चाहिए।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर शारीरिक शोषण करने वाला आरोपी दबोचा

लोकेशन बदलकर बचने की कर रहा था कोशिश, पुलिस ने दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र से किशोरी को बहला-फुसलाकर शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को पुलिस ने दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लगातार लोकेशन बदलकर पुलिस से बचने का प्रयास कर रहा था। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार पीड़िता के परिजन ने 6 जून को थाने में तहरीर देकर बताया कि उनकी 16 वर्षीय साली घर से बिना बताए कहीं चली गई है। पुलिस ने मामले में गुमशुदगी से आगे बढ़ते हुए जांच शुरू की, तो एक युवक का नाम सामने आया जिस पर संदेह गहराया। कनखल थाना अध्यक्ष मनोहर रावत ने बताया कि जांच के



दौरान पता चला कि आरोपी अभिषेक, पीड़िता को बहला-फुसलाकर साथ ले गया था और लोकेशन बदलते हुए लगातार पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था। इसी बीच पुलिस ने तकनीकी सर्किलों और जानकारी जुटाकर आरोपी का पता लगाया। बुधवार को पुलिस टीम ने देहरादून स्थित उसके ठिकाने पर

दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पुछताछ में आरोपी का नाम अभिषेक पुत्र राजकुमार, निवासी कावली रोड, देहरादून बताया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जेल भेज दिया गया है। पुलिस टीम में उप निरीक्षक भगवान पवार, हे.कां. मुन्ना नेगी, कां. उम्वेद सिंह शामिल रहे।

सनातन रक्षक परिषद ने किया संगठन का विस्तार मनोज कुमार गौतम को प्रदेश अध्यक्ष किया नियुक्त

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सनातन रक्षक परिषद भारत ने उत्तराखंड में संगठन का विस्तार करते हुए मनोज कुमार गौतम को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। बुधवार को सनातन रक्षक परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुधांशु वत्स व राष्ट्रीय महामंत्री पुरुषोत्तम शर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष नियुक्ति किए गए मनोज गौतम को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान संस्था के संरक्षक श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि आज देश को आवश्यकता है कि सभी मिलकर जाति के भेदभाव से हटकर समाज को आगे बढ़ने का काम करें। सनातन हमें एकता को सूत्र में बांधता है। उन्होंने कहा कि मनोज गौतम समाज को जोड़ने का काम करेंगे। साथ ही सनातन का

प्रचार प्रसार कर सनातन को एक नई दिशा देंगे। संस्था के राष्ट्रीय महामंत्री पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि समाज के लिए काम कर रहे मनोज गौतम एक महनती और जुझारू व्यक्ति हैं। वह सनातन को आगे बढ़ाने के लिए लगातार अग्रसर रहेंगे। उन्होंने कहा कि लोग लगातार सनातन रक्षक परिषद से जुड़ रहे हैं। सनातन रक्षक परिषद समाज को एक साथ रखेगी। राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुधांशु वत्स ने कहा कि पूरे विश्व

में लोगों को संस्था से जोड़ने के लिए अभियान चलाया जाएगा।



उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष मनोज गौतम ने संगठन का आधार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी वर्गों को साथ

लेकर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। इस अवसर

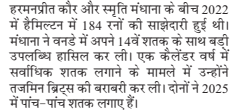
पर शिवम शर्मा, शशिकांत शर्मा, साहिल वर्मन, मुकेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

हरिद्वार में समचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : सिटी कार्यालय दैनिक शाह टाइम्स हरिद्वार कमरा न. 103, द्वितीय तल, भगवती कॉम्प्लेक्स, रानीपुर मोड, हरिद्वार डी. एस. वर्मा प्रभारी हरिद्वार/ब्यूरो चीफ मो.: 9411100741

सर्वाधिक शतक लगाने वाली
दूसरी महिला बल्लेबाज बनी मंधाना

एडिलेड, वाता। प्लेयर ऑफ द मैच एडम जम्पा (60 रन पर चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी तथा मैथ्यू शार्ट (74) और कूपर कोनली (नाबाद 61) की शानदार अर्धशतकीय पारियों से ऑस्ट्रेलिया ने भारत को खिलाफ रोमांचक दूसरे वनडे में गुरुवार को दो विकेट से जीत दर्ज

मैं मुन्नु, वाता। भारतीय महिला मंडल का उन्कपाता और स्टार बल्लेबाज सुमीता मंडल का शपथ पत्रदेन करते हुए गुवाहाटी में महिला विश्व कप २००५ में न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी मुकामबल के शतक जड़ा। अपने अन्त करियर के १४वें शतक के साथ सुमीता महिला क्रिकेट में न्यूजीलैंड शतक लगाने वाली दूसरी बल्लेबाज बन गईं। यह बताने के बाद न्यूजीलैंड के बीच महिला विश्व कप की २५वीं मुकामबला खेला जा रहा है। इस मैच में कोयिणी ने टयास जीतक बल्लेबाज को पहरे बल्लेबाजी का नया दिनांक है। इस मुकामबल में मंडल ने बदारपूर प्रकटते हुए ९५ गेंदों में १०५ गेंदें बनाए, इस दीन जटनमें ८८ गेंदों में अगले शतक पूरा किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक बल्लेबाजों ने १० चौके और छह छक्के डाले। पहरे बल्लेबाज के लिए मंडल ने प्रजिका राहत के साथ २१२ गेंदों को फिकलें साझेदारी की। यह भारतीय महिला मंडल का विश्व कप में फिकली फिकलें बताने के लिए ससमे बताने साझेदारी है। इससे पहरे



निर्वाह दिती, वाता। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल ने हरन के साईं कृश्ण के 2-1 से लेकर राजस्थान के शाहज, हाथर, जिला कोटपुली आयोगजन 43वे श्री युनन बाग्यम भाग स्मृति आनंद हीडिया हाकी दार्मिक का शिवाजी जीत लिला दार्मिक के रूप में 501000 कोटि के इनमी राशि भी मिली उपरजिवाता कोटि के 250000 रूपर से संतोष करना पडा। श्याम लाल कोलज की तरफ से सशिरा और यत्पुत्र सिंग जगो ने मेच में एक-एक गोल किये जयन के साईं कृश्ण को तरफ से एक गोल सहप्रतोप से 32 दार्मिक दान दार्मिक में देश पर न कि दार्मिक में भाग मिल्या बेस्ट डिफेंडर ऑफ द दार्मिक को अवार्ड श्याम लाल कोलज के फाउल को मिला बाग्य बेस्ट फाउल ऑफ द दार्मिक को अवार्ड साईं कृश्ण के शिवाजी जीत को मिला।

नई दिल्ली, वाता। भारत की अंडर-20 महिला टीम के मुख्य कोच जोआकिम एल्वेंजेंडसन ने कहा किफातान अंडर-19 टीम के खिलाफ फर्जी मैचों के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की। पहला मैच 25 और तथा मुकबाल 28 अक्टूबर को कजाकिस्तान के शिमकेन में होगा। इसे अप्रैल 2026 में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए भारत की तैयारी के रूप में रखा जा रहा है। भारतीय टीम बंगलुरु स्थित पाकोगा-ट्रिविड सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एंथिपॉलेसिस में एक सफ़िन शिपिंग के बाद आज सुबह कजाकिस्तान के लिए रवाना हुई और शाम को शिमकेन पहुंचेगी।

पन्नाग, खाली तीसरे परिषदाई या वरत (पन्नाजी) बुधवार शनिवार होमने में आधिकारिक रूप से शुभ हो गये, जिसमें 45 परिषदाई ज्यों की ओरों के 4,000 से ज्यादा युवा एग्लोवट शांतिमंद हुए। 22 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले इन खलों में 26 नवंबर को शनिवार के दिन, जो पन्नाजी के इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन है।

कुल 4,074 एग्लोवट, जिसमें 2,425 पर्यटन और 1,649 महिलाएँ शामिल हैं, प्रतिस्पर्धा करेंगे, जो 2013 के नवंबर जमा के 2.1 प्रतिशत आयोजन और 2009 के पन्नाजिना सिम्पार खलों में 1.32 प्रतिशत में अधिक है।

जो 2013 में पन्नाजी के आयोजन में सबसे प्राधिकारिक के अध्यक्ष शेर नासिर निम हम्पट अल खलों में खलों के उपभूतन की

भाषणा की। सुखी और होमने उद्घाटन समारोह के दौरान बहरीन प्रीमियर कासिलस फीफा इन्टरनेशनल फुटबल फेडरेशन के प्रथम उपाध्यक्ष शेर नासिर निम हम्पट अल खलों को नका कि ये आयोजन खलों की लोगों के बीच एक और और एशिया की युवा पीढ़ी को एक साथ लाने के अवसर के रूप में।

उन्होंने कहा कि परिषदाई खलों खल पन्नाजि के ओलंपिक एथलीटों की पहचान करने का एक मंत्र भी है जो महाद्वीप का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उन्होंने कहा कि ये प्रतिस्पर्धाएं परिषदाई खलों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं, जो युवा पीढ़ी को एक साथ लाने के लिए एक अवसर के रूप में प्रमुख क्षेत्रों आयोजन आयोजित करने की क्षमता की क्षमता का हवाला देंगे।

[illegible][illegible]

आलेखन, याता
न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच तीसरा टी-20 मैच बाफिरा के कारण हट दिया गया। इसी के साथ क्राइस्टचर्च में दूसरे टी-20 मैच में जीत को बरखा देते इंग्लैंड ने तीन मैचों की यह सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। पहला टी-20 मैच भी बाफिरा को भेंट बच गया था। पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहली गेंदाबाजी का फैसला किया। खेल सामने पर शुरू हुआ। हॉब्स सीमरने ने पहली तीन ओवरों में 10 रन दिए। बाफिरा ने शुरुआत में ही गेंदाबाजी की पहली गेंद पर खैल में खल्लस। इससे और डूबे पड़े की ओर। हंस देरी के कारण 14 ओवर प्रति टीम का खेल होता था। इसी दौरान दूसरे आठ मैच ब्राउनरन कासे ने टिम रॉबिन्सन (द) को आउट किया।

प्रधानाचार्य श्री शोभा लाल
सिन्हा नावः, नालिया परबेरा
और सिराठा अंगी की भुआवा-
वाली उन्नी बल्लेश्वाजी जी
हस्तिक करने के लिए कुत्ता
रही है, जबकि साधिका प्रकृतार्थ
और सरार स्थूरी की भुआवा-
गंगाबाजी आक्रमण ने लगातार
समर्थन के बिना उम्मीर की
किरण दिखाई। प्रेमदासा की
पिच ने मध्यम स्तरांग को
अवरध पदना फिर है, इस विषय
कम में पहली पाठी का औसत
स्कोर लगभग २४५ रहा है।
हालांकि, ये कम नटिन और
बारिश और पंचम के साथ बाहर
परती को संभव करने हैं, जिसमें
दोनों कप्तान टॉस जीते प
पहले गेंदाबाजी करने का
विफल रूप सकते हैं। ऐतिहा-
सिक रूप से, दोनों टीमों विश्व
कप में दो बार भिड़ चुके हैं।
जिनसे से पहले के एक-एक
टीम साक्षा की है।

सर्वे दिलवाया जाता। पंजाब किसान ने आशीर्वाद। चंदाव सिंघा से पहले पूरे भारतीय किसान सिम्पल सेना बहदुत को अपना नाम दिपन गंधाजी कोच नियुक्त किया है।

हम सुली जोशी को ज्ञात है, जिनने 2023 से 2025 तक यह पूरे सांताला ध्या बहदुतले, जिन्हें सांताला ध्या राजस्थान गंधाजी से रिलीज किया था, जहां उन्होंने यही प्रभाजिका निर्माध धी, धरने और प्रभाजिका क्रिकेट में अपने लंबे कोचिंग करियर का 51 वर्षीय बहदुतले इससे पहले कोचिंग कर, दिवर्ष और गुजरात सीटी डीमा के साथ काम कर चुके हैं और सी प्रभाजों में

युवा भारतीय गंधाजी कोच नियुक्त करने में उनके योगदान को दिपन उन्हे व्यापक रूप से श्रेय दिया जाता है।

बहदुतले को डीमा में ख्यामन करते हुए, पंजाब किसान को सीईओ भारतीय सिंघा में केना की हद है। हम सुली जोशी को थारा से पंजाब किसान को प्रति उनको समर्थन सेवा और योगदान को दिपन बहदुतले धन्यवाद देते हैं।

आगे बहदुतले हुए, हम सीटी डीमा बहदुतले को अपने कॉविनट ख्यामन में ख्यामन करते हुए बहदुतले उम्माहति हैं। खेल की उनकी गहरी समझ, ख्यामन धरुल में दर्बाजों को तैयार करने की रणनीति बनाने का उनका व्यापक अनुभव, हमारी डीमा को दिपन अत्युत्तम होगा।

ई दिल्ली, १०तां। भारत ने पश्चिम विश्व के मुख्यतः २०-२२ अक्टूबर २०२५ तक आयोजित खेलों में जापान के विरोध अंतर्देशीय प्रतियोगिताओं में सहभागी होने से दखल देना से सख्त सख्त रूप में विरोध किया। यह बख्त इस सम्बन्ध में २०२५ के उपग्रहों में आयोजित किया गया, जो विश्व स्तर पर खेलों में अड्डा को समान करने और अड्डा को बढ़ावा देने के लिए प्रविष्टि प्रदान करने का नूतन रूप है। बाध्यकारी अंतर्देशीय सामन है। प्रतियोगिताईयों में

सीपीएम 10 अंग्रेजी का अध्ययन चुना गया। ब्राजिल, जाँमिया और सऊदी अरब को भी अपने-अपने क्षेत्रीय समूहों के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया। भारत ने 10-डॉकिंग कन्वेंशन को नया को प्रस्थित करने वाला 'इंटीरैक्चल बॉर्डर' के प्राधान्य को सुविधा प्रदान करने सीपीएम 10 अंग्रेजी को कार्यावली को अपना समर्थन दिया। बैठक में राष्ट्रीय सरकार, डॉकिंग बोर्ड संगठनों और युनेस्को के स्थायी प्रतिनिधिमंडलों के 500 से अधिक प्रतिनिधियों का भाग लिया। इस समर्थन के तहत शायद ही कभी अनुपालन को प्रमत्त करने में डॉकिंग उन्मुख कार्य के विवरणों और जीन हेरफेर, पारंपरिक औद्योगिकों, हात और खेलों में नैतिकता सहित अमूर्त चुनौतियों के समर्थन पर चर्चा हुई। सीपीएम 9 अंग्रेजी के समर्थन समिति की रिपोर्ट में संस्थापन सुसंगतता, रणनीतिक संयोजन और अंतर-क्षेत्रीय एकांककरण पर जोर दिया गया।

लाहौर, वार्ता। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को खिलाफत आगामी घरेलू श्रृंखला और श्रीलंका तथा जिम्बाब्वे के साथ त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय अंतर्राष्ट्रीय टी-20 टीम में बाबर आजम, नसीम शाह और अब्दुल समद को वापस बुलाया है। टीम में अर्केश उस्मान तारिक को भी जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका को खिलाफत टीम में टी-20 श्रृंखला 28 अक्टूबर से एक नवंबर तक रावलपिंडी और लाहौर में खेले जाने वाली जिसके बाद 17 से 29 नवंबर तक इन्हीं स्थानों पर खिलाड़ी श्रृंखला होगी। बाबर और नसीम ने आखिरी बार 2024 के अंत में टी-20 अंतर्राष्ट्रीय

[illegible]

(सौराष्ट्र) के अधिकांशतः निवासियों को बताया कि रेलिंग जड़ने का अंग्रेज भी नहीं खेलेनगे तो हमारे ही राज्गी ठाणी का दूसरा रेल 25 अक्टूबर को सरकार के निर्देशन शाह स्टेशन में शुरू होगा। यहाँ वैचित्र्य सौराष्ट्र अपने धूलें मैदान पर से बिछाई।

जड़ने को आस्ट्रेलिया रेल पर गई भागी को एकदम बुरा हुआ। मैंने तहाँ चुना गया जड़ने का सौराष्ट्र के लिए प्रथम श्रेणी भी के लिए शुरू को उल्लख्य श्रेणी में है तकि वह अपने महीने दखिला अभिष्ठा का खिलाफ अपने बहली

में, सौराष्ट्र ने कर्नाटक को पहली पारी में मामूली बढ़त दिलाकर हराया था, जिसमें धर्मेश्वर जडेजा प्रमुख खिलाड़ी साबित हुए थे। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने पहली पारी में 124 रन देकर 7 विकेट सहित कुल 10 विकेट लिए थे। सौराष्ट्र को कप्तान भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जयदेव उनादक के हाथों में है।

अन्तर-23 सीनियर विद्यार्थी
कृष्णी चौपिनयनशिम में
जीता कायस्थ पदक
नई दिल्ली, भारत
 क विश्वविद्यालय में 55 किय
 योग्य शोको-रोमन वर्ग में
 प्रतियोगि करत हए सविद्या के
 नीती साद में आयोजित
 अन्तर-23 सीनियर विद्यार्थी
 चौपिनयनशिम में कायस्थ पदक
 जीतकर देश का रोमन शोचन
 किय। कायस्थ पदक मुकालेफत
 में, विश्वविद्यालय में आधारणा
 में कोशल और दृढ़ संकल्प का
 प्रदर्शन करत हए केजाशिव
 पहलवान को 5-4 केजाशिव
 पदक से हाकर चौपिनयनशिम में
 भारत का पहला शोचन
 सुनिश्चित किय। विश्वविद्यालय में
 अगने अभियान को शुरुआत
 स्वालोफिकेशन राउंड में एक
 रोमानाफिकेशन राउंड में एक
 को के साथ को और शोचन
 23 में तकनीकी श्रेष्ठता के
 आधार पर अमेरिकी पहलवान
 को हाकर अपनी शाखात फर्मि
 जारी रखे।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शुक्रवार , 24 अक्टूबर 2025

मुलाकात पर विराम

22वें आसियान भारत शिखर सम्मेलन में जोकि 26 से 28 अक्टूबर तक मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में हो रहा है, उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच होने वाली मुलाकात पर विराम गुरुवार को उस समय लग गया, जब पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इस सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से शिरकत करने की जानकारी दी। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी एक वक्तव्य जारी कर कहा कि मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर पीएम मोदी 26 अक्टूबर को आसियान शिखर सम्मेलन में वर्चअुल माध्यम से भाग लेंगे। वक्तव्य में यह भी कहा गया कि पीएम मोदी और आसियान नेता संयुक्त रूप से आसियान भारत संबंधों में प्रगति की समीक्षा करेंगे तथा व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। भारत का यह भी कहना है कि आसियान के साथ संबंधों को मजबूत करना उसकी नीति और हमारे हिन्द प्रशांत दृष्टिकोण का एक प्रमुख स्तंभ है। वक्तव्य में यह भी कहा गया कि भारतीय विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर 27 अक्टूबर को क्वालालंपुर में 20वें पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी का प्रतिनिधत्व करेंगे। पीएम मोदी ने अपनी पोस्ट के माध्यम से कहा कि उनकी मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ बात हुई जिसमें उन्होंने आसियान की अध्यक्षता के लिए बधाई दी और आगामी सम्मेलन के लिए शुभकामनाएं दीं। मोदी की पोस्ट की प्रतिक्रिया में मलेशिया के पीएम ने एक पोस्ट में बताया कि भारतीय पीएम ने उन्हें फोन किया और व्यापार निवेश प्रौद्योगिकी, शिक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के मुद्दे पर चर्चा की और श्री मोदी ने उन्हें बताया कि वह शिखर सम्मेलन में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे, क्योंकि भारत में इस समय त्योहार चल रहे हैं। असल में भारत-अमेरिका में व्यापार समझौतों को लेकर अभी तक कोई सहमति नहीं बन पाई है और यह कयास लगाए जा रहे थे कि आसियान शिखर सम्मेलन में ट्रम्प और मोदी के बीच मुलाकात के दौरान इसमें कोई प्रगति हो सकती है, लेकिन अब जबकि पीएम मोदी मलेशिया नहीं जा रहे हैं, तो दोनों के बीच मुलाकात की संभावना खत्म हो गई है। जाहिर है, राजनीतिक जानक. र पीएम के इस सम्मेलन से वर्चुअल माध्यम से जुड़ने के पीछे अमेरिका और भारत के बीच पिछले कुछ समय से खट्टे मिठे रिश्ते चल रहे हैं। ट्रम्प पीएम मोदी को अपना अच्छा दोस्त भी बताते हैं, लेकिन साथ ही साथ ऐसी हरकतें करते हैं जिससे उनके सामने असहज स्थिति पैदा हो जाती है। भले ही मलेशिया न जाने के पीछे भारत में हो रहे त्योहार भी एक कारण रहा हो, लेकिन यह भी सच है कि भारत और अमेरिका के बीच इस समय रिश्ते नाजुक दौर से गुजर रहे हैं।

गगनयान मिशन की तैयारियां तेज

भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन की तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं, अब तक मिशन से जुड़ा लगभग 90 प्रतिशत विकास कार्य पूरा हो चुका है, गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है और इसके लिए कई जटिल तकनीकों को विकसित करना पड़ा है, इस मिशन के लिए राकेट को मानव उड़ान के लिए उपयुक्त बनाया था, आर्बिटल माड्युल तैयार करना था और पर्यावरण नियंत्रण व सुरक्षा प्रणाली विकसित करनी थी। इसके अलावा, क्यू एस्कैप सिस्टम, पैराशूट सिस्टम और अन्य मानव-संबंधी तकनीकें भी बनानी पड़ीं, अब तीन बिना मानव वाले मिशनों को पूरा करना बाकी है। इन मिशनों के सफल होने के बाद ही अंतरिक्षयात्रियों को भेजा जाएगा।

-वी. नारायणन, इसरो प्रमुख



चुनाव लड़ने वाली हर पार्टी चाहती है और चाहना चाहिए कि आगामी चुनाव में उसका प्रदर्शन पिछले चुनाव के मुक. बले बेहतर हो। इसके लिए समझदार नेतृत्व वाली पार्टियां पिछले चुनाव की अपनी कमजोरियों से सबक लेती हैं। बिहार के विपक्षी गठबंधन में शामिल पार्टियों ने क्या अतीत की अपनी कमजोरी से कोई सबक लिया है या लेती नजर आ रही है ? पहले कांग्रेस की चर्चा करते हैं, वह देश की सबसे पुरानी और अनुभवी पार्टी है, वैचारिक रूप से आज वह राष्ट्रीय स्तर पर INDIA एलायंस का नेतृत्व भी कर रही है, लेकिन मेरे हिसाब से इस चुनाव में वह भारी गलतियां करती नजर आ रही है, अतीत से कोई सबक न लेने वाली पार्टियों में उसका रिकॉर्ड सबसे खराब है।

पिछले चुनाव (2020) में उसका स्ट्राइक रेट सबसे खराब था, गठबंधन में उसने अपने राष्ट्रीय पार्टी के दबदबे का इस्तेमाल किया और ज़िद करके 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए, लेकिन वह मात्र 19 सीट पर ही जीत सकी, राष्ट्रीय जनता दल ने 144 सीटों पर उम्मीदवार दिए थे, उसे 75 सीटों पर कामयाबी मिली। सीपीआई-माले को लड़ने के लिए गठबंधन ने सिर्फ 19 सीटें दीं उसने 12 पर जीत हासिल की, इस तरह स्ट्राइक रेट के हिसाब से सीपीआई-माले नंबर वन और राष्ट्रीय जनता दल दूसरे नंबर पर रहा, कांग्रेस फिसड्डी रही, उसके कम स्ट्राइक रेट को भी महागठबंधन की सरकार न बनने के कारणों में शुमार किया गया। ऐसे में कांग्रेस का यह कर्तव्य बनता था कि वह अपने संगठन की सक्रियता और उम्मीदवारों के चयन पर ज्यादा सजग रहती, लेकिन असलियत उसके उलट रही। बिहार में बीते काफी समय से कांग्रेस की कोई प्रांतीय कमेट्री तक नहीं है, सिर्फ एक अध्यक्ष है और केंद्रीय संगठन से भेजा एक राज्य प्रभारी। यही दोनों पूरे बिहार कांग्रेस का संगठन चलाते हैं, दोनों में, ज्यादा असरदार राज्य प्रभारी है क्योंकि वह केंद्रीय नेतृत्व का दूत है।

ये दोनों मिलकर पूरे राज्य में विधिवत संगठन तो नहीं बना सके, 2025 चुनाव के लिए 34-40 अच्छे उम्मीदवार भी नहीं खोज सके, लेकिन लड़ रहे हैं 60 या 61 सीटों पर। पिछली बार की 70 संख्या से 10 नीचे उतरे हैं। मेरे हिसाब से कांग्रेस को 45-50 से ज्यादा सीटों पर नहीं लड़ना चाहिए था, बची हुई 10 सीटें वामपंथी दलों को दे देनी चाहिए थी। अपने संगठन और महागठबंधन के जनाधार के बल पर वे कांग्रेस के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन करते।राष्ट्रीय जनता दल को भी अपनी सूची से यादव समुदाय के 51 उम्मीदवारों की

जन नायक राहुल गांधी पटना कब जाएंगे



संख्या घटानी चाहिए थी और अति पिछड़े वर्ग EBC के प्रत्याशियों का प्रतिनिधित्व और बढ़ाना चाहिए था।

कांग्रेस ने जिस तरह की उम्मीदवार सूची जारी की है, वह सिर्फ महागठबंधन के लिए ही नहीं, स्वयं उसके लिए भी आत्मघाती साबित हो सकती है। अगर पांच साल बाद फिर ऐसे आत्मघात की पुनरावृत्ति से बचना है तो सिर्फ एक ही विकल्प है। जननायक राहुल गांधी अब और समय गंवाए बगैर बिहार जाकर कैम्प करें और हर दिन ज्यादा से ज्यादा चुनाव सभाएं करें। उन्हें एक और कदम उठाना होगा, चुनाव के दौरान अचानक कांग्रेस के स्वघोषित नेता बनकर अवतरित होने वाले कुछ बड़बोले नेताओं की ऊटपटांग बयानबाजी को भी वह नियंत्रित करें। अगर वह ऐसा नहीं कर पाए तो बिहार में कांग्रेस और महागठबंधन का बंटोधार अवश्यभावी है।

बिहार के महागठबंधन में पिछले कुछ दिनों से जो कांग्रेस के तीन-चार लोगों ने चारों तरफ रायता फेंका दिया था। इन नेताओं के टीम। लीडर थे अल्लाव। अब उलझे मसलों को सुलझाने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने पार्टी के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को

आज भेजा। उनकी लालू प्रसाद, तेजस्वी यादव और मंगनी मंडल आदि से बातचीत हुई। समझा जाता है कि कई उलझे मसलों को सुलझाया गया है। फैसलों की घोषणा कल महागठबंधन के सभी नेताओं की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में होगी। उलझे मसलों में एक है महागठबंधन के मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर तेजस्वी यादव के नाम की घोषणा। यह घोषणा पहले ही हो गई होती, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व इस पर अब तक हिचकिचाता रहा है। अल्लाव से राहुल गांधी तक, सभी नेता इस बारे में पूछे सवाल के जवाब में कुछ भी साफ-साफ कहने से इंकार करते आ रहे हैं। सच पुछिए तो कुछ सीटों पर हो रही फ्रेंडली कांटेस्ट जैसी यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। गठबंधन में तेजस्वी के अलावा मुख्यमंत्री पद का कोई और दावेदार नहीं है। फिर कांग्रेस को इसे घोषित करने में क्या समस्या आ रही है। वह भी तब जबकि कांग्रेस को छोड़कर गठबंधन के सारे घटक दल तेजस्वी को ब्द चेहरा बनाने के विचार से सहमत हैं। तो क्या माना जाए, हर काम-हर फैसला देर से करने वाली कांग्रेस कल पटना में आयोजित साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस आशय की घोषणा करने के पक्ष में उतरेगी?

राहुल की इमरतियां बिहार को डरा तो नहीं रहीं



श्रवण गर्ग

देश देखना यह चाहता है कि 14 नवम्बर के ऐतिहासिक दिन को राहुल इंडिया ब्लॉक के लिए इमरतियों का स्वाद चखने जैसा रख पाते हैं या नहीं ? देश इस बात पर आपा नहीं खोना चाहेगा कि नतीजों की घोषणा के साथ ही राहुल गांधी फिर किसी लंबी छुट्टी पर विदेश खाना हो गए हैं। बिहार में चुनाव लड़ रहे प्रमुख राजनीतिक दलों को अपनी हार के कारणों की समीक्षा बजाय 14 नवम्बर को नतीजे प्राप्त होने के बाद करने के कर्मिटियां बनाकर अभी से प्रारंभ कर देना चाहिए। निश्चित ही निष्कर्ष वैसे ही प्राप्त होंगे जैसे नतीजों की घोषणा के बाद होने वाले होंगे।

बिहार चुनावों को लेकर विपक्षी महागठबंधन के विभिन्न घटकों के बीच चल रही तनातनी और उसमें कांग्रेस की भूमिका ने उन तमाम लोगों के मन में सवाल खड़े कर दिए हैं जिन्होंने बीजेपी और संघ की नीतियों के खिलाफ लड़ाई में अपने भाग्य को राहुल गांधी के नेतृत्व के साथ नत्थी कर रखा है। भय उत्पन्न होने लगा है कि राहुल की लड़ाई के प्रति दिए जा रहे समर्थन को क्या चुनाव-नतीजों की घोषणा तक अस्थायी कर दिया जाना चाहिए?

मोदी के सत्ता में आने के बाद पिछले 11 सालों के दौरान चले घटनाक्रम, विशेषकर 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद, कांग्रेस कई बार सिद्ध कर चुकी है कि उसने जनता को निराश करने की अपार क्षमताएं अर्जित कर ली हैं। सीटों के बंटवारे को लेकर महागठबंधन के सहयोगी दलों के बीच प्रकट हुआ तनाव कोई अपवाद नहीं बल्कि उसके विफल होने की दिशा में एक और प्रयोग दिखाई पड़ रहा है। कहना मुश्किल है कि विपक्ष

की सफलता का रहस्य मतदान के ठीक पहले अपेक्षित राहुल के किसी विस्फोटक चमत्कार में छुपा हुआ है या इन उम्मीदों में कि प्रशांत किशोर द्वारा खड़े किए गए 240 उम्मीदवार एनडीए के वोट बैंक में निर्णायक सेंध लगा सकते हैं। ऐसी किसी भी परिस्थिति के नायक तब राहुल गांधी नहीं जाएंगे राहुल गांधी नहीं। राहुल गांधी द्वारा किए जाने वाले 'हाइड्रोजन बम' विस्फोट की प्रतीक्षा अभी खप्पम नहीं हुई है। उसका बिहार में कम और देश-दुनिया में ज्यादा इंतजार हो रहा है। इसमें यह भी शामिल है कि 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया' वाली स्थिति में सफाई क्या दी जाएगी?

जिस तरह की खबरें बिहार से बाहर निकलकर देश के हिस्सों में पहुंच रही हैं 'डराली है कि विपक्ष की जो लड़ाई संविधान और वोटर अधिकारों की रक्षा को लेकर प्रारंभ हुई थी वह किस तरह देखते ही देखते किसी भी कीमत पर सत्ता में हिस्सेदारी प्राप्त करने के कुर्ता फाड़ संघर्ष में तब्दील हो गई। इसी बीच अपने ही द्वारा खड़े किए गए महत्वाकांक्षी परिदृश्य से राहुल गांधी ने स्वयं को चुपचाप अनुपस्थित भी कर लिया। महागठबंधन का सर्वमान्य नेता इस समय कौन है खबरों को पता नहीं ! राहुल गांधी द्वारा पार्टी के दूसरे हिन्दी-भाषी राज्यों में व्याप्त असंतोष और पराजय के लिए दोषी ठहराए जा चुके सेनापतियों को ही बिहार की आग बुझाने के काम में झोंका गया है।

बिहार चुनावों के जरिए राहुल गांधी जो सिद्ध करना चाह रहे थे वह महागठबंधन के घटक दलों की आपसी

नाराजगी के बीच लगभग गुम हो चुका है। जो नजर आ रहा है वह सिर्फ यह है कि बीजेपी ने किसी भी कथेमत पर बिहार को खरीदने के लिए समस्त उपलब्ध संसाधनों और संस्थाओं को झोंक दिया है । थोड़े शब्दों में बड़ी बात कहना हो तो बिहार विजय के जरिए मोदी राहुल गांधी नहीं बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष देश पर अपनी पकड़ और जनता के समर्थन का प्रदर्शन करना चाहते हैं। ऐसा इसलिए कि विधानसभा चुनावों में एनडीए की हार को नीतीश सरकार के खिलाफ बिहार की जनता का वोट नहीं बल्कि मोदी की हुकूमत के प्रति देश का अविश्वास माना जाएगा। सत्तारूढ़ दल की सां. प्रदायिक और विभाजनकारी नीतियों का विरोध करने वाले तमाम लोग बिहार में महागठबंधन की विजय की यही मानते हुए प्रतीक्षा कर रहे हैं कि परिणाम उस 'इंडिया ब्लॉक' को राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्जीवित करेंगे जिसे बीजेपी के मार्गदर्शन में ध्वस्त करने में प्रमुख भूमिका नीतीश कुमार की रही है। चुनाव के नतीजे उन लाखों-करोड़ों लोगों के मनोबल को मजबूत या कमजोर करने वाले हैं जिन्होंने अपने संवैधानिक अस्तित्व को बिहार से बीजेपी और राजनीति से नीतिश कुमार की विदाई के साथ जोड़ रखा है। मीडिया अभी तो यही दिखाला रहा है कि बिहार में महागठबंधन की लड़ाई अकेले तेजस्वी लड़ रहे हैं और राहुल पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक में 'घंटेवाला स्वीट्स' के यहां इमरतियां तल रहे हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता पर उठते सवाल

वर्ष 1945 में दुनिया के 50 देशों ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में घोषित संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्टूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्टूबर को 'संयुक्त राष्ट्र दिवस' मनाया जाने लगा।

अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से

स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूख लोंगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमा. रियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई।

हालांकि विडम्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 80 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 80 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थाई सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों को अनुसर ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी



अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगाना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थाई सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थाई सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थाई सीट को छोड़ने को

तैयार नहीं है। हालांकि स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थाई सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थाई सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थाई सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य नहीं बन पा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थाई सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केंद्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खुरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश अब-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियां थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं।

योगेश कुमार गौयल



इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फलस्तीन, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सका है। इसीलिए दुनिया में जगह-जगह युद्ध टालने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से ठोस योजनाओं पर अमल किए जाने की जरूरत महसूस होती रही है क्योंकि इस वैश्विक संस्था का गठन ही दुनिया में अमन-चौन कायम रखने के उद्देश्य के साथ किया गया था, लेकिन चिंता की बात है कि इन युद्धों में उसकी निष्क्रियता समूची मानव सभ्यता पर भारी पड़ रही है। भीषण होते इन युद्धों के कारण दुनिया अब दो धड़ों में बंटती जा रही है और संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश भी अब केवल बयान जारी करने से आगे नहीं बढ़ रहे। बहरहाल, यदि अभी भी संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती है तो यह संस्था आने वाले समय में अपना महत्व खो देगी। सही मायनों में दुनिया की इस सबसे बड़ी पंचायत को अब गंभीर आत्ममंथन की जरूरत के साथ पर्याप्त सुधारों की सख्त दरकार है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

